<u>पत्र सूचना शाखा</u>

<u>सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0</u>

<u>राज्यपाल ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर बच्चों को सम्मानित किया</u>

लखनऊः 28 फरवरी, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर बायोटेक पार्क एवं भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, लखनऊ चैप्टर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित समारोह में स्कूल के छात्र-छात्राओं को निबंध लेखन, पोस्टर, क्वीज प्रतियोगिता तथा पेंटिग्स प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, डाॅ0 हरशरण दास, पूर्व निदेशक, सी0डी0आर0आई0, डाॅ0 हरी मोहन बहल, डाॅ0 सेठ, डाॅ0 वी0 कम्बोज सहित अन्य वैज्ञानिकगण उपस्थित थें।

राज्यपाल ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर सम्बोधित करते हुए कहा कि लखनऊ में विज्ञान से संबंधित लगभग 16 संस्थान हैं। इसलिये लखनऊ को साइंस सिटी बनाने का प्रयास करें। विज्ञान को साथ लेकर प्रगति करने का संकल्प करें। विज्ञान में राष्ट्र को समृद्ध और विकसित बनाने की अपार क्षमता है। वैज्ञानिक मानसिकता का विकास समाज को प्रगतिशील बनायेगा। नोबल पुरस्कार विजेता स्व0 डाॅ0 सी0वी0 रमन को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये उन्होंने कहा कि पराधीन भारत में न्यूनतम साधन होते हुए डाॅ0 रमन ने महत्वपूर्ण खोज की। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर ने बीसवीं शताब्दी में वैज्ञानिक ज्ञान को जनसामान्य के लिये बहस का मुद्दा बनाया।

श्री नाईक ने कहा कि भारत में प्राचीन काल से गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र, आयुर्विज्ञान, वास्तुकला, ज्योतिषशास्त्र जैसे प्रमुख क्षेत्रों में वैज्ञानिक प्रयास की उन्नत परम्परा थी। चरक, सुश्रुत, आर्यभट्ट, धनवन्तरि आदि ऐसे नाम हैं जो गर्व का विषय हैं। विदेश से लोग यहाँ उज्जैन, नालन्दा जैसे विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने आते थे। नयी पीढ़ी को भारत की पुरानी वैज्ञानिक खोज को बताने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि जो देश अपना इतिहास भूलता है वह कभी प्रगति नहीं कर सकता।

राज्यपाल ने कहा कि आजादी के बाद हम खाद्यान्न आयात करते थे। परन्तु किसानों के प्रयासों से हम आज उस समय की तुलना में तीन गुना आबादी बढ़ जाने के बाद भी खाद्यान्न में आत्म निर्भर हैं और निर्यात भी कर रहे हैं जबकि कृषि योग्य भूमि शहरीकरण एवं औद्योगिकीकरण के कारण कम हुयी है। विज्ञान का विकास खेती तक पहुँचाना चाहिए। वर्तमान सदी विज्ञान की सदी है। सूचना एवं प्रौद्योगिकी के दौर में छोटे बच्चे भी मोबाईल एवं कम्प्यूटर का प्रयोग कर रहे हैं। इसलिये विज्ञान को आम आदमी के लिये लाभदायी बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए।

प्रमुख सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, डाॅ0 हरशरण दास ने बायोटेक्नोलाॅजी के बारे में बताते हुए कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में भारत किसी भी विकसित देश से कम नहीं है। विदेशों में भारतीय वैज्ञानिक बड़ी संख्या में अपना योगदान दे रहे हैं। शोध को आगे बढ़ाये तथा छात्र-छात्राओं को विज्ञान के लिये प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि बायोटेक अपने शोध को आम जनता तक ले जाकर उनकी उपयोगिता बताये।

इस अवसर पर राज्यपाल ने एक स्मारिका का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखें।

ENCE DAY
2015
rnor of Uttar Pradesh
Lucknow
ence Academy
hapter)

NATIONAL SCIEN
February 28, 2015
Sri Ram Naik ji,Hon'ble Governor of Uttar Pr
Chief Guest
Organized by
Biotech Park, Luc
&
National Sci
cknow
Hon'ble
Governor of U.P.
Harsharan Das

NATIONAL SCIENCE DAY
February 28, 2015
Sri Ram Naik ji,Hon'ble Governor of Uttar Pradesh
Chief Guest
Organized by
Biotech Park, Lucknow
&
Indian National Science Academy
(Lucknow Chapter)
P K Sethi
BIOTECH